कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788.2211688, फैक्स नं. 0788.2212030
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 24.10.2016

प्रेस विज्ञप्ति

साइंस कालेज दुर्ग में डीएसटी इंस्पायर प्रोग्राम का तीसरा दिन

विश्लेषण युक्त अध्ययन से हर विषय सरल – डॉ. प्रजापति

विश्लेषण युक्त अध्ययन से हर विषय सरल हो जाता है। विद्यार्थियों को किसी भी विषय को रहने के स्थान पर उसके सिध्दांतों को समझने का प्रयास करना चाहिये। ये उद्‌गार सेंट जेवियर्स कालेज अहमदाबाद के प्रोफेसर उदयन प्रजापति ने आज शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में व्यक्त किये। डॉ. प्रजापति आज महाविद्यालय में चल रहे डीएसटी इंस्पायर कैम्प के तीसरे दिन ''मनोरंजक गणितीय खेल एवं पहेलियां'' विषय पर अपना आमंत्रित व्याख्यान दे रहे थे। डॉ. प्रजापति ने उपस्थित प्रतिभागी विद्यार्थियों से कहा कि गणित बिल्कुल कठिन विषय नहीं है परन्तु इसे आसानी से समझने हेतु हमें बचपन से ही इसके हर स्टेप को समझना होगा। एक बार यदि हमारे मन से गणित की जटिलता का भय निकल गया तो गणित के प्रश्नों को हल करने में मजा आता है। डॉ. प्रज्ञापति ने एक उदाहरण में बताया कि एक बुजुर्ग गणितज्ञ के ऑपरेशन के दौरान जब उन्हें उम्र की अधिकता के कारण एनेस्थिेसिया दिया जाना असंभव था तो उन्होंने कहा कि मुझे गणित के कुछ जटिल प्रश्न दे दीजिये। उन्हें मैं एकाग्रता से हल करूंगा तब तक चिकित्सक मेरा आपरेशन कर लेंगे। एकाग्रता एवं आत्मविश्वास को किसी भी विषय में सफलता का मूल मंत्र बताते हुए डॉ. प्रजापति ने विद्यार्थियों द्वारा पूछे गये अनेक प्रश्नों के उत्तर भी दिये। आज आयोजित दूसरे तकनीकी सत्र में सेंटर फॉर सेल्युलर एवं माइक्रोबायलाजी हैदराबाद के वैज्ञानिक एवं डॉ. शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता डॉ. अमिताभ चट्‌टोपाध्याय ने कोलेस्ट्रॉल का जैविकी एवं चिकित्सा क्षेत्र में स्थान पर रोचक व्याख्यान दिया। कोलेस्ट्रॉल की मात्रा शरीर में बढ़ने, उसके कारण तथा भविष्य में उसके मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव का डॉ. चट्‌टोपाध्याय ने विस्तृत विश्लेषण पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से किया। डॉ. चट्‌टोपाध्याय ने बताया कि शरीर में कोलेस्ट्रॉल अति आवश्यक है, परंतु इसकी कम या अधिक मात्रा शरीर पर प्रभाव डालती है। नवजात शिशु की वृध्दि हेतु कोलेस्ट्रॉल बहुत जरूरी है। आज विश्व का 45 अरब डॉलर का कारोबार कोलेस्ट्रॉल से संबंधित दवाईयों पर आधारित है। सेल्युलर झिल्ली से कोलेस्ट्राल का सीधा संबंध बताते हुए डॉ. चट्‌टोपाध्याय ने जी प्रोटीन युग्म तथा इसका बीमारी एवं स्वास्थ्य से कोलेस्ट्राल के संबंध की जानकारी दी। भारतीय दिनचर्चा एवं खानपान के साथ कोलेस्ट्राल का संबंध तथा समाज में कोलेस्ट्रॉल से संबंधित विभिन्न अवधारणाओं का जिक्र करते हुए डॉ. चट्‌टोपाध्याय ने सदैव सजग रहने की अपील प्रतिभागी विद्यार्थियों से की। विद्यार्थियों ने ह्‌दयघात एवं कोलेस्टॉल तथा कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित रखने संबंधी उपायों पर आधारित अनेक प्रश्न पूछे जिनका समाधान डॉ. चट्‌टोपाध्याय ने किया। विद्यार्थियों ने एक स्वस्थ्य शरीर में कितनी कोलेस्ट्रॉल की मात्रा होनी चाहिए तथा शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन में कोलेस्ट्राल की मात्रा, दैनिक दिनचर्या एवं कोलेस्ट्रॉल का आपसी संबंध एवं कोलेस्ट्रॉल संबंधी दवाईयों का साईड इफेक्ट संबंधी प्रश्न पूछे सत्र के प्रारंभ में अतिथियों का परिचय एवं विषय की संक्षिप्त प्रस्तुति डॉ. जगजीत कौर सलूजा एवं डॉ. राकेश तिवारी ने की। अतिथियों को स्मृति चिन्ह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस.के. राजपूत ने प्रदान किये।

दोपहर के सत्र विद्यार्थियों की लेखन प्रतिभा की जांच हेतु निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें भारत स्वच्छता अभियान, अक्षय एवं गैर अक्षय उर्जा, हरित क्रांति, मेक इन इंडिया, उर्जा संरक्षण, डेयरी एवं पशुधन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा पुर्नचक्रण जैसे विषय शामिल किये गये थे। प्रतिभागी विद्यार्थियों ने बहुत ही अच्छे ढंग से विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किये। इस निबंध प्रतियोगिता के श्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

आज सांय कालीन सत्र में विद्यार्थियों को साइंस कालेज दुर्ग की आधुनिक प्रयोगशालाओं में विज्ञान के विभिन्न विषयों से संबंधित महत्वपूर्ण प्रेक्टिकल कराये गये। विद्यार्थियों ने स्वयं भौतिकी, रसायन, गणित, वनस्पति शास्त्र, प्राणी शास्त्र, भूविज्ञान, माइक्रोबायलॉजी तथा बायोटेक्नालॉजी, कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशालाओं में प्रायोगिक कार्य किये। विद्यार्थियों ने इसे अत्यंत लाभदायक बताया। उन्होंने कहा कि उनकी शालाओं में ये उपकरण एवं रसायन उपलब्ध नहीं होने कारण अनेक महत्वपूर्ण प्रयोगों का हमें ज्ञान नहीं हो पाता। भूविज्ञान विभाग में उपलब्ध कीमती चट्टानें, खनिज एवं जीवा म देखकर विद्यार्थी रोमांकित हो उठे। विद्यार्थियों के प्रयोगशाला भ्रमण के दौरान उनके प्रभारी प्राध्यापक डॉ. अनुपमा अस्थाना, डॉ. जगजीत कौर सलूजा, डॉ. पूर्णा बोस, डॉ. रंजना श्रीवास्तव, डॉ. एम.ए. सिद्दीकी, डॉ. कांति चौबे, डॉ. अनिल श्रीवास्तव, डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी, डॉ.एस.डी. देशमुख तथा डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव उपस्थित थे।

डीएसटी इंस्पायर कैंप के मुख्य समन्वयक डॉ. राजपूत से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर को कैंप को चौथे दिन भाभा एटोमिक सेंटर (बार्क) के निदेशक श्री कुमार आपटे का यूरेनियम पर केन्द्रित व्याख्यान होगा तथा द्वितीय सत्र में अलीगढ़ मुस्लिम वि.वि. के डॉ. अली मोहम्मद पर्यावरण व पर्यावरण प्रदूषण पर व्याख्यान देंगे। विद्यार्थियों का बहुविकल्पीय प्रश्नों पर आधारित टेस्ट परीक्षा भी होगी। दोपहर के सत्र में प्रयोगशाला में प्रायोगिक कार्य के पश्चात् शाम 5 बजे महाविद्यालय के सभागार में प्रतिभागी विद्य ार्थियों हेतु रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

<u>प्रति,</u>

संपादक/ब्यूरो चीफ

दैनिक .....दुर्ग

इस निवेदन के साथ कि कृपया इसे जनहित में समाचार के रूप में प्रकाशित करने का कश्ट करें।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

INSPIRE INTERNSHIP AUTUMN CAMP

Chattopadhyay
for Cellular and Molecular Biology
Hyderabad, India